!!<>!! अलबेला रो खेल फकीरी !!<>!!

(एक भगत के विशेष अनुरोध पर पूरा भजन)

कायर सके न झेल फकीरी, अलबेला रो खेल फकीरी || फकीरी अलबेला ||

ज्यू रण माय लडे नर सूरा, अईया झुक रहया सैल |
गोली नाल जुजरबा चाले, सन्मुख लेवे झेल || फकीरी अलबेला ||

सती पती संग निसरी रे , अपने पिया के गेल |
सूरत लगी अपने साहिब से , अग्नि काय बिच मेल || फकीरी अलबेला ||

अलल पंछी ज्यू उलटा चाले, बांस भरत नट खेल |
मेरु इक्कीस छेद गढ़ बंका, चढ़गी अगम के महल || फकीरी अलबेला ||

दोय रे एक रहे नहीं दूजा, आप आपको खेल |
कहे सामर्थ्य कोई असल पिछाने, लेवे गरीबी झेल || फकीरी अलबेला ||

जय श्री नाथजी की...